खबर संक्षेप

बैंड बाजे के साथ विद्यार्थियो ने निकाली तिरंगा रैली

शहडोल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रव्यापी हर घर तिरंगा अभियान के तहत शहडोल जिले में भी 2 अगस्त से 15 अगस्त तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। तिरंगा केवल ध्वज नहीं, बल्कि यह मां भारती के सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा का संकल्प है। हर घर तिरंगा अभियान उत्साह एवं उमंग के साथ जिले में मनाया जा रहा है।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय विचापुर के विद्यार्थियो द्वारा तिरंगा का महत्व बताने बैंड बाजे के साथ तिरंगा रैली निकाली गई। तिरंगा रैली में विद्यार्थियो ने भारत माता की जय, वंदे मातरम, झंडा ऊंचा रहे हमारा जैसे अन्य देषभक्ति के नारे लगाए।

अवैध शराब के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

शहडोल। जिले में अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार 7 अगस्त को विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहत जिले के सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया था कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध शराब विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। इसी क्रम में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में छापेमारी की गई, जिसमें कुल 4 स्थानों पर दबिश दी गई। कार्यवाही के दौरान 23 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब जब्त की गई, जिसकी कुल कीमत 2,300 रुपये आंकी गई। यह शराब बिक्री के प्रयोजन से आरोपियों के कब्जे में रखी गई थी। पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध शराब के कारोबार को जड़ से खत्म करने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

सट्टा-जुआ के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई 7 आरोपी गिरफ्तार

शहडोल।जिले की धनपुरी पुलिस ने थाना क्षेत्र में सट्टा-जुआ के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 7 आरोपियों को रंगेहाथ पकड़ा। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार नशा एवं सट्टा/जुआ पर रोक लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत 7 अगस्त को थाना प्रभारी धनपुरी के नेतृत्व में टीम ने दो स्थानों पर दबिश दी।पहली कार्यवाही में माली मोहल्ला धनपुरी में मुखबिर की सूचना पर आरोपी आशीष तिवारी पिता ब्रजमोहन तिवारी (32), बेटू पाटक पिता स्व. प्रेमनारायण पाटक (40) और अंकित कचरे पिता राजेश तमोर (31) निवासी हरी दफाई धनपुरी को ताश के 52 पत्तों और 1,100 रुपये नगदी के साथ गिरफ्तार किया गया।दूसरी दबिश दफाई नंबर 01 धनपुरी में दी गई, जहां से आरोपी सूरज सिंह गोंड पिता रेवाप्रसाद सिंह गोंड (25), पप्पू पनिका पिता बाबूलाल पनिका (36) और प्रकाश केवट पिता स्व. विजय केवट (30) को ताश के 52 पत्तों और 310 रुपये नगदी सहित पकड़ा गया। सभी आरोपियों के विरुद्ध जुआ एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई। इस सफलता में सजनि दीपक तिवारी एवं प्रआर दिनेश सिंह की अहम भूमिका रही।

न्याय की लड़ाई में भटकता सौरभ का परिवार

तीन माह की शादी पर टूटा मौत का साया

पत्नी पर हत्या और प्रताड़ना के गंभीर आरोप

शहडोल। जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के मसीरा गांव में महज़ तीन महीने पहले हुए विवाह का अंत एक त्रासदी में हुआ। 26 वर्षीय सौरभ तिवारी की मौत ने न केवल उसके परिवार को बल्कि पूरे गांव को गहरे सदमे में डाल दिया। परिजनों का दावा है कि यह आत्महत्या नहीं, बल्कि पत्नी मालती (बदला हुआ नाम) और उसके परिवार की ओर से की गई सोची-समझी साजिश का नतीजा है।

शादी के बाद शुरू हुआ विवाद

परिजनों द्वारा पुलिस को दी गई शिकायत के मुताबिक, सौरभ का विवाह 23 मई 2025 को ग्राम चंदेलन की मालती (बदला हुआ नाम) से हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार हुआ था। विवाह के शुरुआती दिनों में सब सामान्य था, लेकिन करीब दस दिन बाद से ही तनाव शुरू हो गया। आरोप है कि मालती रात-रात भर मोबाइल पर किसी अन्य व्यक्ति से बात करती थी और पूछने पर उलझ जाती थी।

एक दिन मालती ने स्वयं सौरभ को बताया कि वह किसी और से प्रेम करती है और उसी से शादी करना चाहती थी, लेकिन दबाव में सौरभ से विवाह हुआ। उसने सौरभ और उसके परिवार से 10 लाख रुपये नकद और खाते में डालने की मांग की, अन्यथा पूरे परिवार को झूठे मामलों में फंसाने की धमकी दी।

मानसिक प्रताड़ना और अंतिम ऑडियो

परिजनों का कहना है कि लगातार तनाव और प्रताड़ना के कारण सौरभ अवसाद में चला गया। घटना से पहले उसने अपने माता-पिता को फोन पर बताया था कि उसकी पत्नी का किसी अन्य पुरुष से संबंध है और वह उसके साथ भागने की योजना बना रही है। सौरभ के मोबाइल से एक कथित ऑडियो रिकॉर्डिंग भी मिली है, जिसमें वह बेहद निराश और टूटे मन से अपनी पीड़ा बयान करता है। हालांकि, इस ऑडियो की आधिकारिक पुष्टि पुलिस ने नहीं की है।

परिवार का आरोप और मांग

सौरभ के पिता कमलेश तिवारी और मां शीतला तिवारी ने थाना प्रभारी जयसिंहनगर और पुलिस

अधीक्षक शहडोल को शिकायत सौंपी है। इसमें उन्होंने पत्नी और ससुराल पक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह मामला भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 103 (हत्या), धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) और धारा 117 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत दर्ज किया जाना चाहिए। साथ ही, धारा 74 (पति या पत्नी द्वारा क्रूरता) के अंतर्गत कार्रवाई की मांग की है। परिजनों का कहना है कि सौरभ मिलनसार, योग्य और मृदुभाषी था, जिसकी तारीफ गांव और आसपास के लोग करते थे। उसकी मृत्यु ने पूरे परिवार को तोड़ दिया—मां का आंचल उजड़ गया, पिता का सहारा छिन गया और घर की रौनक खत्म हो गई।

ऑडियो रिकॉर्डिंग ने खोले राज प्रताड़ना और अंतिम ऑडियो

परिजनों का कहना है कि लगातार तनाव के कारण सौरभ अवसाद में रहने लगा। घटना से पूर्व उसने अपने माता-पिता को फोन पर बताया था कि उसकी पत्नी का किसी अन्य पुरुष से संबंध है और वह उसके साथ भागने की योजना बना रही है।

सौरभ के मोबाइल से एक कथित ऑडियो रिकॉर्डिंग मिली है, जिसमें वह टूटे मन से अपनी पीड़ा व्यक्त करता है। हालांकि, पुलिस ने इस ऑडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

परिवार ने शिकायत देकर की मांग

सौरभ के पिता कमलेश तिवारी और मां शीतल तिवारी ने थाना प्रभारी जयसिंहनगर और पुलिस अधीक्षक शहडोल को शिकायत दी है। इसमें भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (हत्या), धारा 105 (गैर इरादतन हत्या), धारा 117 (आत्महत्या के लिए उकसाना) और धारा 74 (पति/पत्नी द्वारा क्रूरता) के तहत मामला दर्ज करने की मांग की गई है।

कमलेश तिवारी का कहना है

मेरा बेटा मिलनसार और मृदुभाषी था। उसकी मौत ने हमारे परिवार की खुशियां खत्म कर दीं। हमें न्याय चाहिए और दोषियों को सख्त सजा मिलनी चाहिए। थाना प्रभारी जयसिंहनगर अजय बैगा का कहना है कि महिला पक्ष ने भी शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें दान-दहेज की वापसी की मांग की गई है।

दोनों पक्षों में समझौता—

दोनों पक्षों में समझौता हो चुका है, अब केवल औपचारिकताएं बाकी हैं। हालांकि, मृतक का परिवार इस दावे को खारिज करता है और इसे हत्या का मामला बताता है। उनका आरोप है कि पुलिस की धीमी कार्रवाई से आरोपी पक्ष को लाभ मिल रहा है। यह घटना उन परिवर्तित सामाजिक परिस्थितियों पर सवाल उठाती है, जिनमें शादी के बाद विश्वासघात, आर्थिक दबाव और मानसिक प्रताड़ना के कारण युवाओं की मौतें हो रही हैं। राजा रघुवंशी केस की तरह, यहां भी पत्नी के कथित अवैध संबंध को घटना की जड़ बताया जा रहा है।

इनका कहना है...

महिला पक्ष की ओर से दान-दहेज वापसी की शिकायत आई है। दोनों पक्षों में समझौता हो चुका है, आगे की कार्रवाई औपचारिकता भर है।

अजय बैगा
थाना प्रभारी, जयसिंहनगर

इनका कहना है ....

यह आत्महत्या नहीं, हत्या है। पुलिस निष्पक्ष जांच करे और दोषियों को कानून के तहत सजा दे। बेटे के जाने से घर उजड़ गया है, लेकिन हम न्याय के लिए लड़ाई जारी रखेंगे।

कमलेश तिवारी
मृतक सौरभ के पिता

दोपहर तक गुलजार रहे बाजार, बाद में छाया सन्नाटा

रक्षाबंधन पर भाई-बहन के रिश्ते में बंधा प्यार

ट्रेनों व बसों में उमड़ी यात्रियों की भीड़

शहडोल। भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व आज शहडोल जिले में पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही घर-घर में बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनके सुख, समृद्धि और दीर्घायु की कामना की, वहीं भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर जीवन भर उनकी रक्षा का वचन दोहराया। यह पर्व न केवल पारिवारिक बंधन को मजबूत करता है, बल्कि सामाजिक मेल-जोल और आपसी स्नेह का संदेश भी देता है।

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व

रक्षाबंधन भारतीय परंपरा का वह पर्व है जिसकी जड़ें सदियों पुरानी हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, द्रौपदी ने श्रीकृष्ण की उंगली कटने पर अपने आंचल से कपड़ा फाड़कर बांधा था, जिसके बदले में कृष्ण ने जीवनभर उनकी रक्षा का वचन निभाया। इतिहास में भी रक्षाबंधन की मिसालें मिलती हैं, जैसे महारानी कर्णावती द्वारा हुमायूं को राखी भेजना। शहडोल जैसे सांस्कृतिक और पारंपरिक वातावरण वाले जिले में यह पर्व केवल रिश्तों का ही नहीं, बल्कि आस्था और विश्वास का भी प्रतीक है। यहां के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रक्षाबंधन को लेकर विशेष उत्साह देखा गया।

सुबह से ही मंदिरों में पूजा-अर्चना का दौर चला। कई परिवारों ने इस अवसर पर धार्मिक अनुष्ठान भी किए। बच्चों ने नए कपड़े पहनकर भाई-बहन के इस खास दिन का आनंद लिया। घरों में

मिठाइयों की खुशबू और मिलनसार माहौल पूरे दिन छाया रहा।

बाजारों में रही चहल-पहल, दोपहर बाद हुआ सन्नाटा

रक्षाबंधन से एक दिन पहले से ही राखी, मिठाई, कपड़े और उपहारों की दुकानों में ग्राहकों की भीड़ देखने को मिली थी। आज सुबह भी बाजारों में विशेष रौनक रही। बहनों ने रंग-बिरंगी राखियों की खरीदारी की, तो मिठाई की दुकानों पर लंबी कतारें लगी रहीं। परंपरागत लड्डू, बर्फी और सोहन पापड़ी के साथ-साथ आजकल की चॉकलेट बास्केट और गिफ्ट पैक भी खूब बिके। हालांकि, दोपहर तक जैसे-जैसे बहनें भाइयों के घर पहुंचकर राखी बांधने लगीं, बाजारों की चहल-पहल धीरे-धीरे कम हो गई। करीब 2 बजे के बाद अधिकांश बाजार सूने पड़ गए और सड़कों पर भीड़ कम नजर आई। यह नजारा हर साल रक्षाबंधन पर देखने को मिलता है, जब त्योहार के दौरान लोग घरों में समय बिताना पसंद करते हैं।

ट्रेनों और बसों में दिनभर रही भीड़

रक्षाबंधन पर दूर-दराज में रहने वाली बहनें अपने भाइयों तक पहुंचने के लिए सुबह से ही यात्रा पर निकल पड़ीं। जिले के बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर सुबह से ही यात्रियों की भीड़ उमड़ी रही। कई बसों और ट्रेनों में क्षमता से अधिक यात्री सफर करते दिखे। परिवहन विभाग ने भी इस भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त बसें चलाईं। ग्रामीण इलाकों से भी कई परिवार रक्षाबंधन मनाने शहर पहुंचे, वहीं शहर से कई लोग अपने पैतृक गांव लौटे। पूरे दिन परिवहन व्यवस्था पर दबाव बना रहा, लेकिन प्रशासन और यातायात विभाग की ओर से की गई व्यवस्थाओं के कारण यात्रियों को ज्यादा परेशानी नहीं हुई।

सीसीटीवी का कनेक्शन काटकर नकाबपोश बदमाशों ने उड़ाए लाखों के जेवरात

सोनी कॉम्प्लेक्स स्थित कृतिका ज्वेलर्स में सेंधमारी, पुलिस ने शुरू की जांच

शहडोल। जिले के सोहागपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कोटमा वार्ड क्रमांक 3 स्थित सोनी कॉम्प्लेक्स में बीती रात नकाबपोश बदमाशों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। अज्ञात चोरों ने कृतिका ज्वेलर्स नामक दुकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवरात पार कर दिए। वारदात को अंजाम देने से पहले बदमाशों ने दुकान में लगे तीन CCTV कैमरों का कनेक्शन काट दिया, जिससे उनकी पहचान न हो सके। इसके बाद उन्होंने दुकान का शटर तोड़कर भीतर प्रवेश किया और गहनों के साथ-साथ दुकान में रखा पुराना माल भी समेट ले गए। चोरी की इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।घटना के संबंध में दुकान संचालक चिंतामणि सोनी (64) निवासी ग्राम कोटमा ने पुलिस को बताया कि वे अपने बेटे रामभुवन सोनी और दामाद रविकांत सोनी के साथ इस दुकान का संचालन करते हैं। रोजाना की तरह मंगलवार रात करीब 8 बजे वे दुकान बंद कर घर लौट गए थे। बुधवार सुबह करीब 6 बजे पास में रहने वाले राजकिशोर मिश्रा ने उनके बेटे को फोन कर बताया कि दुकान का शटर खुला हुआ है और ताले टूटे पड़े हैं। सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे तो पाया कि दुकान का शटर उखड़ा हुआ है और अंदर का सारा सामान बिखरा पड़ा है। प्राथमिक जांच में पता चला कि चोर लाखों के गहने और पुराना स्टॉक चोरी कर ले गए हैं।

सूचना पर सोहागपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल चोरी गए गहनों की सटीक कीमत का आकलन किया जा रहा है। दुकान में लगे CCTV कैमरों का कनेक्शन काटे जाने के बाद पुलिस ने आसपास के इलाकों में लगे अन्य CCTV कैमरों के फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं, ताकि चोरों की गतिविधियों और उनकी पहचान के बारे में सुराग मिल सके। इस बीच, घटनास्थल पर फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट और फोरेंसिक टीम भी पहुंची, जिन्होंने दुकान के भीतर और आसपास से साक्ष्य जुटाए। पुलिस का मानना है कि चोरों ने वारदात की पूरी योजना सुनियोजित तरीके से बनाई थी और उन्हें दुकान के लेआउट एवं सुरक्षा व्यवस्था की पूरी जानकारी थी।

पुलिस अधीक्षक ने दी जानकारी

शहडोल एसपी रामजी श्रीवास्तव ने बताया कि अज्ञात चोरों द्वारा ज्वेलरी शॉप में सेंधमारी कर गहनों की चोरी की गई है। घटना के संबंध में एक सीसीटीवी फुटेज मिला है, जिस पर गहन पड़ताल की जा रही है। उन्होंने कहा कि तकनीकी साक्ष्यों और अन्य सुरागों के आधार पर चोरों की तलाश की जा रही है और जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता: स्वतंत्रता संग स्वच्छता का संदेश

सैनिकों के नाम भावपूर्ण पत्र लिखकर छात्रों ने दी श्रद्धांजलि

शहडोल। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है, जिनका उद्देश्य न केवल देशभक्ति की भावना को जागृत करना है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति भी जागरूक करना है। इसी क्रम में "हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता – स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग" अभियान के तहत शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय, विचारपुर में एक अनूठा कार्यक्रम "सैनिकों के नाम पत्र" आयोजित किया गया।

भावनाओं से भरे पत्रों में छलका आभार

इस आयोजन में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देश की रक्षा में निरंतर तत्पर हमारे वीर जवानों के नाम भावनाओं से ओतप्रोत पत्र लिखे। इन पत्रों में बच्चों ने सैनिकों के साहस, त्याग और बलिदान के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। पत्रों में कहीं सीमाओं पर तैनात जवानों के प्रति सम्मान झलक रहा था, तो कहीं उनके सुरक्षित और स्वस्थ रहने की प्रार्थना। कई छात्रों ने यह भी लिखा कि वे बड़े होकर देश की सेवा करना चाहते हैं और सैनिकों की तरह निडर व देशभक्त बनना चाहते हैं।

शिक्षकों ने दी प्रेरणा और मार्गदर्शन

कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य महोदय ने छात्रों को सैनिकों के महत्व और उनके अदम्य साहस के बारे में विस्तार से बताया।

उन्होंने कहा कि आजादी का असली आनंद तभी है जब हम उसका सम्मान करें और देश के लिए अपने कर्तव्यों को निभाएँ। विशेष रूप से श्रीमति सरस्वती गुप्ता और अरविंद मिश्रा ने बच्चों को प्रेरित करते हुए पत्र लेखन के दौरान उनके विचारों को अभिव्यक्त करने के लिए मार्गदर्शन और उदाहरण दिए। शिक्षकों ने बच्चों को समझाया कि सैनिक हमारे देश के प्रहरी हैं, जो मौसम, समय और परिस्थिति की परवाह किए बिना 24 घंटे देश की रक्षा करते हैं।

पत्र पहुँचेंगे सीमा पर तैनात जवानों तक

सभी छात्रों द्वारा लिखे गए इन पत्रों को बाद में एकत्रित कर एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर, शहडोल को सौंपा गया, ताकि ये पत्र वास्तविक रूप से सीमा पर तैनात जवानों तक पहुँच सकें। तिरंगा यात्रा में गूंजे देशभक्ति के नारे इसके साथ ही विद्यालय में तिरंगा यात्रा भी आयोजित की गई, जिसमें छात्र-छात्राओं ने हाथों में तिरंगा लेकर नारे लगाए और देशभक्ति गीतों के साथ पूरे परिसर में देशप्रेम का वातावरण बना दिया।

स्वच्छता का दिया सशक्त संदेश

तिरंगा यात्रा के दौरान छात्रों ने स्वच्छता का संदेश भी दिया, जिसमें यह बताया गया कि स्वच्छ भारत ही सशक्त भारत की नींव है।

इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक, एनसीसी कैडेट्स, छात्र-छात्राएं और स्थानीय गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में देशभक्ति गीतों और नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा।

मेडिकल कॉलेज का लेबर रूम बना वसूली का अड्डा

मनचाही ड्यूटी, परिवार नियोजन व नसबंदी में भी रिश्वतखोरी
मरीज और परिजन मजबूरी में देने को मजबूर, कार्रवाई सिर्फ कागजों में

शहडोल। बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज का लेबर रूम भ्रष्टाचार और वसूली का केंद्र बन गया है। मरीजों से लेकर स्टाफ तक, हर कोई रिश्वतखोरी की चपेट में है, लेकिन शिकायतों के बावजूद कार्रवाई केवल औपचारिक जांच तक सीमित है।संभाग का प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र माने जाने वाला बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज, जो मरीजों को बेहतर इलाज और सुविधाएं देने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था, अब भ्रष्टाचार और वसूली का गढ़ बन चुका है। खासकर लेबर रूम की स्थिति इतनी खराब है कि यहां आने वाली प्रसूताएं और उनके परिजन मजबूरी में न्योछावर के नाम पर पैसा देने को विवश हैं।

सूत्रों के अनुसार, लेबर रूम की इंचार्ज सीधे पैसे लेने से बचती है, लेकिन अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के माध्यम से वसूली का खेल संचालित करती है। यहां आने वाले मरीजों से लेकर उनके रिश्तेदारों तक को इलाज और सुविधा के नाम पर अतिरिक्त रकम देनी पड़ती है। यही नहीं, लेबर रूम में तैनात आठ स्टाफ नर्सों से भी मनचाही ड्यूटी लगाने के लिए हर माह एक हजार रुपये की वसूली की जाती है।भ्रष्टाचार का यह सिलसिला केवल ड्यूटी प्रबंधन तक सीमित नहीं है। परिवार नियोजन कार्यक्रम, प्रेरक कार्य, कॉपर-टी लगाने और नसबंदी जैसे प्रक्रियाओं में भी खुलेआम पैसा वसूला जाता है। इन कार्यों के लिए सरकारी योजनाओं के तहत निर्धारित नियमों को ताक पर रखकर मरीजों से मोटी रकम ऐंठी जाती है। मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर और स्टाफ मरीजों को आवश्यक इलाज देने के बजाय रेफर करने की प्रवृत्ति पर अमल कर रहे हैं। यह स्थिति केवल शहडोल जिले तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे संभाग से आने वाले मरीज इस रेफर संस्कृति के शिकार हो रहे हैं। इलाज की आस लेकर यहां पहुंचने वाले लोगों को अक्सर यह कहकर टाल दिया जाता है कि उन्हें अन्य बड़े केंद्र या निजी अस्पताल जाना होगा।

हालात इतने खराब हो चुके हैं कि लेबर रूम में हो रही इस रिश्वतखोरी और लूट की शिकायतें अगर किसी तरह मेडिकल सुपरिंटेंडेंट (एमएस) या डीन तक भी पहुंच जाती हैं, तो भी केवल जांच की औपचारिक घोषणा कर दी जाती है। वास्तविक कार्रवाई कभी नहीं होती, और मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। ऐसे में इंचार्ज और संबंधित स्टाफ के हौसले और बढ़ते जा रहे हैं।

जनता का मोहभंग और निजी अस्पतालों की ओर रुख

इन परिस्थितियों के चलते लोग मेडिकल कॉलेज की सेवाओं से दूर होते जा रहे हैं। कई प्रसूताएं और गंभीर मरीज अब सीधे निजी अस्पतालों या फिर झोलाछाप डॉक्टरों के पास जाने को मजबूर हो रहे हैं। इससे एक ओर तो आर्थिक बोझ बढ़ रहा है और दूसरी ओर गुणवत्तापूर्ण इलाज की गारंटी खत्म हो रही है।

नासूर बनता भ्रष्टाचार, सख्त कार्रवाई की मांग

रिश्वतखोरी का यह खेल पहले जिला चिकित्सालय और कुछ अन्य अस्पतालों तक सीमित था, लेकिन अब यह मेडिकल कॉलेज में भी खुलेआम हो रहा है।

यदि इस पर समय रहते कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो यह एक ऐसे नासूर का रूप ले लेगा, जिसे खत्म करना मुश्किल होगा।

जनता की मांग है कि राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग इस मामले में संज्ञान लेकर न केवल जांच करें, बल्कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई करते हुए मेडिकल कॉलेज में भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी व्यवस्था स्थापित करें, ताकि आम आदमी को उसके अधिकार के अनुसार मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

कजलियां पर्व केवल एक धार्मिक या सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति, कृषि और लोकजीवन से गहराई से जुड़ा एक महोत्सव है

शहडोल में धूमधाम से मनाया जाएगा कजलियां पर्व, आदिवासी संस्कृति का प्रतीक और वर्षा ऋतु से जुड़ा अनूठा आयोजनः परंपरा, आस्था और भाईचारे का संगम

आदिवासी अंचल के पारंपरिक और ऐतिहासिक महत्व वाला कजलियां पर्व इस बार भी जिले में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। सावन-भादो के संधिकाल में आने वाला यह पर्व वर्षा ऋतु, कृषि समृद्धि और लोक संस्कृति का अद्भुत संगम है। आदिवासी समाज में इसकी विशेष मान्यता है, जिसमें ग्रामीणजन अपने-अपने खेतों से लाए गए पौधों और कजलियों को सजाकर पूजा-अर्चना कर प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

शहडोल

आदिवासी बहुल शहडोल जिले में कजलियां पर्व केवल एक धार्मिक या सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति, कृषि और लोकजीवन से गहराई से जुड़ा एक महोत्सव है। यह पर्व हर वर्ष भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि को मनाया जाता है। इस बार यह पर्व कल, यानी रविवार को पूरे जिले में पारंपरिक उल्लास के साथ आयोजित होगा।पारंपरिक तैयारी और पूजन विधिकजलियां पर्व की तैयारियां गांव-गांव में कई दिन पहले से शुरू हो जाती हैं। ग्रामीणजन सावन माह के अंत में खेतों में बोए गए धान, मक्का, कोदो, कुटकी जैसे फसलों से पौधे निकालकर एक जगह इकट्ठा करते हैं। इन्हें साफ करके रंग-बिरंगे कपड़ों, फूलों और धागों से सजाया जाता है। यही पौधे 'कजलियां' कहलाते हैं।पर्व के दिन सुबह महिलाएं और युवतियां घरों में बने विशेष पकवान—जैसे चावल की खीर, मक्का की रोटी और हरी सब्जियां—तैयार करती हैं। कजलियों को पवित्र नदी, तालाब या कुएं के पास ले जाकर पूजा की जाती है। पूजा में जल, अक्षत, फूल, दूब और धूप-दीप का उपयोग होता है।पूजन के बाद ग्रामीणजन कजलियों को जल में विसर्जित करते हैं, जो कृषि में नमी और वर्षा के प्रति आभार का प्रतीक माना जाता है।ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्वकजलियां पर्व का इतिहास आदिवासी जीवनशैली से गहराई से जुड़ा है। यह त्यौहार न केवल कृषि चक्र के महत्व को रेखांकित करता है, बल्कि समाज में सामूहिकता और भाईचारे को भी मजबूत करता है।स्थानीय बुजुर्ग बताते हैं कि यह परंपरा सैकड़ों साल पुरानी है, जब आधुनिक कृषि उपकरण और सिंचाई की सुविधाएं नहीं थीं। उस समय वर्षा ही फसल के लिए सबसे बड़ी पूंजी मानी जाती थी, और कजलियां पर्व प्रकृति के प्रति आदिवासी समाज की कृतज्ञता का प्रतीक बन गया।साथ ही, यह पर्व सामाजिक मेल-मिलाप का भी अवसर है, जहां गांव के लोग एकजुट होकर अपने-अपने घरों से पकवान लाते हैं, गीत-नृत्य करते हैं और एक-दूसरे के सुख-दुख में शामिल होते हैं।आदिवासी पहचान और लोककलाशहडोल जिला आदिवासी बहुल क्षेत्र है, जहां गोंड, बैगा, कोरकू और अन्य जनजातियां निवास करती हैं। कजलियां पर्व में आदिवासी लोककला और परंपराएं खुलकर दिखाई देती हैं। पर्व के अवसर पर पारंपरिक वाद्ययंत्र जैसे मांदर, नगाड़ा, ढोल और बांसुरी की धुनों पर लोग झूमते हैं। महिलाएं रंग-बिरंगे परिधानों और चांदी के गहनों से सुसज्जित होकर पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत करती हैं।स्थानीय कलाकार इस मौके पर पारंपरिक गीत गाते हैं, जिनमें वर्षा, फसल और प्रकृति की स्तुति होती है। यह न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ने का माध्यम भी है।आर्थिक और सामाजिक पहलूकजलियां पर्व स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए भी अहम है। इस दौरान बाजारों में पारंपरिक सजावटी सामान, कपड़े, आभूषण और पूजा सामग्री की मांग बढ़ जाती है। छोटे दुकानदारों और हस्तशिल्पकारों को अच्छा व्यापार मिलता है।साथ ही, यह पर्व सामाजिक समरसता का प्रतीक भी है। गांव के अमीर-गरीब, जाति-धर्म से ऊपर उठकर सभी लोग एक साथ भाग लेते हैं। यह एकता और भाईचारे का संदेश देता है, जिसकी आज के समय में विशेष आवश्यकता है।भविष्य के लिए संरक्षण की जरूरतहालांकि समय के साथ शहरीकरण और आधुनिक जीवनशैली के कारण कई परंपराएं कमजोर होती जा रही हैं, लेकिन कजलियां पर्व आज भी अपनी मौलिकता बनाए हुए है।सांस्कृतिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस पर्व को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के लिए युवाओं को इसकी जड़ों से जोड़ा जाना जरूरी है। स्कूल-कॉलेजों में सांस्कृतिक शिक्षा और स्थानीय उत्सवों के आयोजन से यह संभव है।सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाएं भी पारंपरिक त्यौहारों के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं, जिससे आने वाली पीढ़ियां अपनी पहचान और विरासत को न भूलें।

पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय में सैनिक भाइयों संग हर्षोल्लास से मनाया रक्षाबंधन, ब्रह्माकुमारी बहनों ने बांधा रक्षासूत्र, दिलाया तनाव-मुक्त और व्यसन-मुक्त जीवन का संकल्प

उमरिया।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) राजा बाबू सिंह के मार्गदर्शन और पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय उमरिया के पुलिस अधीक्षक मुकेश वैश्य के निर्देशन में, पीटीएस उमरिया में रक्षाबंधन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।रक्षासूत्र बांधकर किया मुख मीठाप्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय उमरिया की ब्रह्माकुमारी बहनों ने इकाई के अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रशिक्षणरत नवआरक्षक सैनिक भाइयों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधा। इस अवसर पर सभी को मुख मीठा भी कराया गया।जीवन मूल्यों का संकल्पकार्यक्रम के दौरान ब्रह्माकुमारी बहनों ने सभी सैनिक भाइयों को तनाव-मुक्त, क्रोध-मुक्त और व्यसन-मुक्त जीवन जीने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर प्रशिक्षणरत नवआरक्षकों ने भी बहनों के प्रति आभार व्यक्त किया और पर्व के महत्व को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

जन अभियान परिषद उमरिया ने किया 'हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता' अभियान का शुभारंभ, देशभक्ति और स्वच्छता के संदेश के साथ ग्राम पंचायत पिनौरा में हुआ कार्यक्रम

उमरिया। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग म.प्र. शासन के तत्वावधान में ग्राम पंचायत पिनौरा में 'हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता—स्वच्छता का उत्सव, स्वच्छता के संग' अभियान का शुभारंभ किया गया।अभियान का उद्देश्य देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करना और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही सार्वजनिक जागरूकता के माध्यम से यह संदेश देना है कि स्वच्छता न केवल शारीरिक स्वास्थ्य, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है। स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में रहने से बीमारियों का खतरा कम होता है, सकारात्मक सोच का विकास होता है और आत्मविश्वास बढ़ता है।कार्यक्रम में हुई भागीदारीशुभारंभ कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य पुरुषोत्तम द्विवेदी, अनीता द्विवेदी, ग्राम पंचायत सरपंच अहिल्या द्विवेदी, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक रवींद्र शुक्ला, विभिन्न जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण, सीएमसी-एलडीपी के छात्र-छात्राएं और परामर्शदाता उपस्थित रहे।

जिले में पर्याप्त यूरिया-डीएपी, पारदर्शी तरीके से हो रहा वितरण- उप संचालक शासन द्वारा निर्धारित दर पर ही बिक रहा खाद, किसानों को नहीं हो रही दिक्कत, गड़बड़ी नहीं पाई गई

उमरिया

जिले में खुदरा उर्वरक विक्रेताओं द्वारा किसानों को शासन द्वारा निर्धारित दर पर ही खाद उपलब्ध कराया जा रहा है। उप संचालक संग्राम सिंह मरावी ने बताया कि अब तक किसी भी किसान ने मनमाने दाम पर खाद बेचने की शिकायत नहीं की है। सघन निरीक्षण के दौरान भी ऐसी कोई अनियमितता सामने नहीं आई। डबल लॉक और एम.पी. एग्रो केंद्रों से नगद विक्रयडबल लॉक गोदाम उमरिया और एम.पी. एग्रो उमरिया में किसानों को नगद में खाद दी जा रही है।

अचानक बढ़ी भीड़ के कारण किसानों को लाइन में लगकर थोड़ी देर इंतजार करना पड़ता है, लेकिन सभी किसानों को खाद उपलब्ध कराई जा रही है।पेयजल और बैठक व्यवस्था जल्दकिसानों की सुविधा के लिए शासन स्तर पर पेयजल और बैठक व्यवस्था का इंतजाम प्रस्तावित है, जो शीघ्र प्रारंभ होगा। फिलहाल डबल लॉक केंद्रों ने अपने स्तर पर पेयजल व बैठने की सुविधा उपलब्ध करा दी है।पीओएस मशीन से पारदर्शी वितरणवितरण में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए शासन द्वारा उपलब्ध कराई गई पीओएस मशीन का उपयोग किया जा रहा है। बायोमेट्रिक मशीन में कभी-कभी अंगूठा पहचानने में विलंब होता है। आदिमजाति सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से उर्वरक ऋणी किसानों को खाद दी जा रही है, जबकि नगद विक्रय केंद्रों से किसान अधिक खरीदारी कर रहे हैं, जिससे वहां भीड़ बढ़ रही है। निरीक्षण में समितियों द्वारा दस्तावेजों में हेराफेरी या बाजार में खाद बेचने की शिकायत सत्यापित नहीं हुई है।जिले में यूरिया का पर्याप्त भंडारवर्तमान में उमरिया डबल लॉक केंद्र को 80 मीट्रिक टन, इंदवार को 50 मीट्रिक टन और मानपुर को 54 मीट्रिक टन खाद प्रदाय की गई है। समितियों को 131 मीट्रिक टन खाद उपलब्ध कराई गई है। पूर्व भंडार को मिलाकर जिले में यूरिया की कुल उपलब्धता 1115 मीट्रिक टन है।41 केंद्रों से वितरणजिले के तीन डबल लॉक केंद्रों और 38 सहकारी समिति केंद्रों के माध्यम से किसानों को खाद का वितरण किया जा रहा है। पहले पर्ची काटकर खाद दी जाती थी, लेकिन स्टॉक की कमी के समय टोकन प्रणाली अपनाई गई थी। अब कृषि विभाग के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाकर गोदाम प्रभारी के माध्यम से सीधे खाद का वितरण हो रहा है।डीएपी की खेप आज, यूरिया की कलजिले को डीएपी की 200 मीट्रिक टन खेप आज लगने वाली रेक से प्राप्त होगी, जबकि अगले दिन यूरिया की रेक आने वाली है। इस प्रकार जिले में उर्वरकों की पूर्ति सतत रूप से जारी है, ताकि सभी किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सके।

जिले में 24 घंटे में 9.7 मिमी बारिश दर्ज, 1 जून से अब तक 846.4 मिमी, पिछले साल से 281.9 मिमी अधिक वर्षा

उमरिया। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि जिले में बीते 24 घंटे के दौरान औसतन 9.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई। इसमें बांधवगढ़ में 5.8 मिमी, मानपुर में 32.8 मिमी, पाली में 0.8 मिमी, नौरोजाबाद में 1.4 मिमी, चंदिया में 16.8 मिमी, करकेली में 4.3 मिमी और बिलासपुर में 6.2 मिमी वर्षा शामिल है।सीजन का कुल आंकड़ा1 जून से लेकर 9 अगस्त तक जिले में औसतन 846.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। बांधवगढ़ में 798.2 मिमी, मानपुर में 959.7 मिमी, पाली में 722 मिमी, नौरोजाबाद में 710.6 मिमी, चंदिया में 960.1 मिमी, करकेली में 786.6 मिमी और बिलासपुर में 980.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई।पिछले साल से बेहतर बारिशगत वर्ष इसी अवधि में जिले में औसतन 564.5 मिमी वर्षा हुई थी। उस समय बांधवगढ़ में 553.5 मिमी, मानपुर में 562.4 मिमी, पाली में 450 मिमी, नौरोजाबाद में 522 मिमी, चंदिया में 597.6 मिमी, करकेली में 570.1 मिमी और बिलासपुर में 705 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी। इस बार की बारिश पिछले साल की तुलना में 281.9 मिमी अधिक है।

डाइट उमरिया में डी.एल.एड. प्रवेश हेतु मूल अभिलेखों का सत्यापन 11 और 12 अगस्त को, चतुर्थ चरण के पात्र अभ्यर्थियों को समय पर पहुंचने की अपील

उमरिया। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान ने बताया कि राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा डी.एल.एड. प्रथम वर्ष प्रवेश के लिए चतुर्थ चरण की सूची जारी कर दी गई है। डाइट उमरिया में प्रवेश हेतु विकल्प देने वाले सभी पात्र विद्यार्थियों को अपने मूल अभिलेखों के साथ 11 और 12 अगस्त को कार्यालय समय पर उपस्थित होकर अभिलेख सत्यापन कराना होगा।समय पर सत्यापन जरूरीसंस्थान ने स्पष्ट किया है कि सत्यापन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद रिक्त सीटों के विरुद्ध मेरिट सूची प्रकाशित की जाएगी। इसमें शामिल अभ्यर्थी ही प्रवेश के पात्र होंगे। अभिलेख सत्यापन के लिए समय पर उपस्थित न होने वाले अभ्यर्थी प्रवेश की अगली प्रक्रिया में शामिल नहीं हो पाएंगे।सूची वेबसाइट पर उपलब्धचतुर्थ चक्र के लिए पात्र अभ्यर्थी अपना नाम जिले की वेबसाइट पर देख सकते हैं और समय रहते आवश्यक दस्तावेज तैयार कर सकते हैं।

ग्राम पंचायत गोहंड्रा के कुदरा टोला में शनिवार को मनाया आदिवासी दिवस

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

आदिवासी दिवस के उपलक्ष में नगर के समीप ग्राम पंचायत गोहंड्रा के कुदरा टोला मे शनिवार को आदिवासी दिवस मनाया गया। प्रकृति के उपासक, सभ्यता और संस्कृति को सदियों से अक्षुण्ण रखने वाले, कला, जीवन शैली, वेशभूषा और सांस्कृतिक विविधताओं को अपने में संजोकर, जल, जंगल व जमीन के संरक्षण में सदैव तल्लीन रहने वाले सभी आदिवासी भाइयो बहनों के द्वारा विश्व आदिवासी दिवस का कार्यक्रम रानी दुर्गावती प्रतिमा स्थल कुदराटोला गोहन्ड्रा मे आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्यातिथि जीवन सिंह धुर्वे अध्यक्ष जनपद पंचायत कोतमा, कार्यक्रम की अध्यक्षता ध्यान सिंह श्याम अध्यक्ष गोड़ समाज महासभा अनूपपुर, श्रीमती विद्यावती श्याम, देवशरण सिंह, सूरज अगरिया, देवनाथ सिंह, दीपक कुमार पटेल, एड. बीरन सिंह आर्मो, कृष्णपाल सिंह, मानसिंह आर्मो, सज्जन सिंह आयाम, दुर्गा सिंह कोरराम, चन्द्रिका सिंह मरकाम, पंकज सिंह एवं क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों व नगर से आये हुये आदिवासी भाई बहनों की उपस्थित मे संपन्न हुआ।

अमरकंटक में श्रावणी पर्व का भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

पवित्र नगरी अमरकंटक में श्रावण मास की पूर्णिमा पर श्रद्धा और भक्ति से ओत-प्रोत श्रावणी पर्व का भव्य धार्मिक व आध्यात्मिक आयोजन संपन्न हुआ। यह आयोजन श्री मार्कंडेय आश्रम में आचार्य महामंडलेश्वर ब्रह्मऋषि अग्निपीठाधीश्वर राम कृष्णा नंद जी महाराज द्वारा अपने शिष्यों के लिए आयोजित किया गया।

श्रावणी पर्व का महत्व

हिंदू पंचांग के अनुसार श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह पर्व श्रावणी पूजन और उपनयन संस्कार दिवस के रूप में प्रसिद्ध है। वेदाध्ययन, यज्ञोपवीत परिवर्तन, आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति के लिए यह दिन विशेष महत्व रखता है।

आयोजन की प्रमुख झलकियां

पतित पावनी मां नर्मदा में पवित्र स्नान आचार्य, पुरोहित, ब्राह्मण और वेदपाठी बालकों ने सर्वप्रथम मां नर्मदा के पवित्र जल में स्नान किया।

जनेऊ परिवर्तन संस्कार

वर्षभर में मन, वचन और कर्म से हुई त्रुटियों की क्षमा-याचना तथा आत्मशुद्धि के उद्देश्य से जनेऊ परिवर्तन संस्कार सम्पन्न हुआ।

तर्पण, होम-हवन और देव पूजन

विद्वान ब्राह्मणों और उपस्थित श्रद्धालुओं ने अपने-अपने गोत्र के ऋषियों का तर्पण किया तथा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन और देव पूजन सम्पन्न हुआ।

धार्मिक मान्यता

मान्यता है कि श्रावणी पर्व पर स्नान, जनेऊ परिवर्तन, तर्पण और दान करने से पापों का क्षय होता है, पुण्य की प्राप्ति होती है और समाज में भाईचारे व आध्यात्मिक अनुशासन की भावना सुदृढ़ होती है।

पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक में बिना परीक्षा सीधा प्रवेश

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक

अमरकंटक स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा ग्यारहवीं के वाणिज्य संकाय में रिक्त स्थानों की पूर्ति हेतु बिना किसी परीक्षा के मेरिट आधार पर सीधा प्रवेश दिया जा रहा है।

इस सीधे प्रवेश की प्रक्रिया में 10 अगस्त तक इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन फार्म आमंत्रित किए जा रहे हैं। जो भी इच्छुक उम्मीदवार इस बिना परीक्षा की सीधी प्रवेश प्रक्रिया में सम्मिलित होना चाहते हैं वह नियत तिथि तक विद्यालय में जाकर आवेदन फॉर्म भरकर जमा कर सकते हैं। प्रक्रिया को बहुत ही सामान्य एवं सरल रखा गया है ताकि सभी उम्मीदवार सहजता एवं सरलता से इस प्रक्रिया में भाग ले सकें। इसमें शामिल होने हेतु आपको केवल एक फॉर्म भरना है जिसमें आपको पिछले शैक्षणिक सत्र संबंधित जानकारियां भरनी होगी तत्पश्चात फॉर्म को सीधे विद्यालय के कार्यालय में जाकर जमा करना होगा उसके बाद विद्यालय के द्वारा मेरिट क्रम में चयन सूची जारी कर चयनित छात्र-छात्राओं की सूची जारी की जाएगी। आवेदन के साथ लगने वाले आवश्यक दस्तावेज़ों मे .जन्म प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, कक्षा 10वीं की अंकसूची सम्मिलित है।

इंस्ट्राग्राम में फोटो डालकर बदनाम करने का आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज चचाई। थाना चचाई में इ आवेदन पत्र दिया गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा सोशल मीडिया इंस्ट्राग्राम में फर्जी आईडी बनाकर अश्लील फोटो बनाकर बदनाम करने के ईरादा से वायरल किया गया है जिससे समाज में बदनामी हुई है। आवेदिका की शिकायत आवेदन पत्र की जांच की एवं सायबर सेल अनूपपुर से प्राप्त की जाकर अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध थाना चचाई में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना की गई।

खबर संक्षेप

छात्राओं ने रंगोली बनाकर स्वच्छता के स्वाधीनता दिवस मनाने का दिया सन्देश

शहडोल। जिले में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग अभियान में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, समाजसेवी, शिक्षक, विद्यार्थी व आम जनमानस बढ़ चढ़कर सहभागिता निभा रहे है और लोगो में देश भक्ति की भावना को जागृत के साथ-साथ स्वच्छता के स्वाधीनता दिवस मनाने का सन्देश भी दिया जा रहा है। हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग अभियान के तहत शासकीय हाई स्कूल टिहकी की छात्राओ ने रंगोली बनाकर स्वच्छता के साथ स्वाधीनता दिवस मनाने का संदेष दिया। रंगोली में हर तिरंगा, स्वच्छ भारत, हर घर तिरंगा, वंदे मातरम आदि प्रेरणादायी स्लोगन प्रदर्शित किये गए।

भाईचारे की रक्षा के लिए मुस्लिम समाज का अनिश्चितकालीन धरना

शहडोल। जिले की कोयलांचल नगरी धनपुरी में भाईचारे और साम्प्रदायिक सौहार्द की रक्षा के उद्देश्य से मुस्लिम समाज 11 जुलाई से नगर के हृदय स्थल आजाद चौक में अनिश्चितकालीन धरना शुरू करने जा रहा है। आंदोलन से पहले समाज के प्रतिनिधियों ने इसकी लिखित सूचना प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को सौंप दी है। मुस्लिम समाज का कहना है कि बीते माह 26 जुलाई 2025 को आजाद चौक पर नगर के ही युवक मेहुल श्रीवास्तव और उसके कुछ तथाकथित साथियों ने बिना किसी पूर्व अनुमति के चक्का जाम कर एक समुदाय और धर्म विशेष को बदनाम करने का प्रयास किया। समाज के अनुसार, इस घटना का उद्देश्य लोगों को धर्म के आधार पर भड़काना, आपसी फूट डालना और दंगे जैसी स्थिति उत्पन्न करना था, जो कि गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों के मुताबिक, वास्तविकता यह थी कि सोशल मीडिया पर दो अलग-अलग समुदायों के युवकों ने एक-दूसरे के धर्म पर आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। लेकिन मेहुल श्रीवास्तव ने इस तथ्य को छिपाते हुए घटना को एकतरफा रूप में प्रस्तुत किया और सड़क पर जाम लगाकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की।समाज का आरोप है कि पुलिस ने बिना जांच-पड़ताल किए केवल एक पक्ष पर तत्काल कार्रवाई की और मुस्लिम युवक पर एफआईआर दर्ज कर उसे जेल भेज दिया। जबकि मुस्लिम समाज के बुद्धिजीवियों का प्रतिनिधिमंडल थाना प्रभारी से मिलकर प्रमाण प्रस्तुत कर बता रहा था कि मामला दो पक्षीय है और इसे आपसी सहमति से सुलझाया जा सकता है, ताकि दोनों समुदायों के कम उम्र के युवाओं का भविष्य खराब न हो।पुलिस ने इन बातों को नजरअंदाज किया और अगले दिन जब दूसरे पक्ष के खिलाफ प्रमाण सामने आए, तब जाकर दूसरी एफआईआर दर्ज की गई। मुस्लिम समाज का कहना है कि यदि शुरुआत में ही दोनों पक्षों को बैठाकर सुलह कराई जाती तो युवाओं पर एफआईआर का दाग नहीं लगता। घटना को कई दिन बीत जाने के बाद भी नगर का साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की साजिश रचने वाले मेहुल श्रीवास्तव और उसके साथियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई न होने से मुस्लिम समाज में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। समाज का कहना है कि यह आंदोलन किसी एक पक्ष के समर्थन या विरोध में नहीं, बल्कि वर्षों से चले आ रहे भाईचारे और सौहार्द की रक्षा के लिए है। अनिश्चितकालीन धरने में न केवल नगर बल्कि पूरे जिले से मुस्लिम समाज के लोग शामिल होंगे। आंदोलन के माध्यम से संदेश दिया जाएगा कि किसी भी समुदाय के स्वार्थी तत्वों की दूषित राजनीति का शिकार होकर भाईचारा और आपसी सौहार्द नष्ट नहीं होने दिया जाएगा।

धनपुरी में कजलियां पर्व आज, ज्वालामुखी मंदिर प्रांगण में कजलियां मेला का होगा भव्य आयोजन

धनपुरी। परंपराओं और आस्था से जुड़ा कजलियां पर्व इस वर्ष भी पूरे हर्षोल्लास और गरिमामय माहौल में मनाया जाएगा। नगर के मां ज्वालामुखी मंदिर प्रांगण में रविवार, 10 अगस्त को शाम 4 बजे से मेला शुरू होगा। आयोजन का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा फीता काटकर किया जाएगा।

नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रविंदर कौर छाबड़ा के निर्देशन में, पार्षद वार्ड 24 स्कंद सोनी की देखरेख में कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली गई राखी के दूसरे दिन मनाए जाने वाले इस पर्व में सर्वप्रथम भक्त मां ज्वालामुखी मंदिर में कजलियां अर्पित कर आशीर्वाद लेंगे। इसके बाद ज्वालामुखी स्थित कुंड पर कजली विसर्जन किया जाएगा। इस दौरान लोग एक-दूसरे को कजलियां भेंट कर आत्मीयता और भाईचारे का संदेश देंगे।

नगर पालिका की विशेष व्यवस्था

नगर पालिका द्वारा मेले में साफ-सफाई, लाइट, पानी और सुरक्षा की पूरी व्यवस्था की गई है। धनपुरी पुलिस का दलबल भी मौके पर तैनात रहेगा।

सुख-समृद्धि का प्रतीक पर्व

कजलियां पर्व को कई स्थानों पर भुजलिया या भुजरियां के नाम से भी जाना जाता है। यह प्रकृति प्रेम और खुशहाली से जुड़ा पर्व है। इस दिन परिवार और रिश्तेदारों को कजलियां देकर गले मिलना, बड़ों का छोटों को आशीर्वाद और उपहार देना परंपरा का हिस्सा है। घर-घर में बच्चों, विशेषकर बच्चियों को शगुन स्वरूप रुपये दिए जाते हैं। मान्यता है कि कजलियों की तरह सभी का जीवन हरा-भरा और समृद्ध हो।

शाम 8 बजे तक चलेगा मेला

मेले का आयोजन शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक होगा। बरसों से चली आ रही इस परंपरा को यादगार बनाने के लिए हर बार की तरह इस वर्ष भी भव्य माहौल में आयोजन किया जाएगा। नगरवासियों से आग्रह किया गया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस परंपरा को सफल बनाएं।

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर युवाओं की टोली ने जरूरतमंद व असहाय परिवार की छोटी व बड़ी बहनों के संग मनाया त्योहार, भेंट किया उपहार

उमरिया- रक्षाबंधन के पवन पर्व त्योहार के अवसर पर जिले की सक्रिय युवाओं की टोली युवा टीम उमरिया के द्वारा अनोखी पहल कर जरूरतमंद व सहाय बहनों के चेहरों में खुशी लाने का एक छोटा सा प्रयास किया गया। युवाओं की टोली ने चिन्हित जरूरतमंद परिवार की बहनों को वार्ड नंबर 15 के खेर माता मंदिर के समीप इकट्ठा कर 18 बहनों से राखी बंधवाकर उन्हें उपहार भेंट किया।

बहनों ने पाली थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता पंडित प्रकाश पालीवाल, बिरासनी कंप्यूटर ऑफ इंस्टिट्यूट पाली व किरण कंप्यूटर इंस्टिट्यूट नौरोजाबाद संस्थापक पवन सम्भर एडवोकेट नीरज मुसाफिर राय, युवा हिमांशु तिवारी,राहुल सिंह के कलाइयों पर राखी बांध मुंह मीठा कराया।वही उपस्थित पाली थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा व बिरासनी कंप्यूटर इंस्टिट्यूट संस्थापक पवन सम्भर ने बहनों को रक्षाबंधन की ढेर सारी शुभकामनाएं बधाई दी और कहा कि हमेशा इसी प्रकार आप लोगों के चेहरों पर मुस्कुराहट कायम रहे। टीम संयोजक हिमांशु तिवारी ने जानकारी देते हुए कहा कि रक्षाबंधन के पूर्व इस कार्यक्रम की तैयारी आरंभ कर दी गई थी। उन्होंने कहा कि बहनों से राखी बंधवाने के उपरांत सभी बहनों को एक-एक उपहार प्रदान किए गए उपहार में विभिन्न प्रकार के खेलकूद, पढ़ाई, जैसी वस्तुओं को उपहार स्वरूप बहनों को दिया गया। बहनों ने कहा कि भाइयों के माथे पर तिलक बंधन कर उनकी कलाइयों पर राखी बांधी गई और भाइयों ने हमारी रक्षा का संकल्प व वचन दिया। बहनों को उपहार मिलते ही चेहरे खिल उठे।इस दौरान युवा हिमांशु तिवारी,राहुल सिंह,पूजा बैगा,रोशनी बैगा,रागिनी बैगा, शिल्पा कोल,मोहनी कोल,सुरभि कोल,मंजू बैगा,खुशी बैगा,खुश्बू कोल,लक्मी बैगा व सभी बहने उपस्थित रही।

ठेकेदार की लापरवाही से जनता परेशान, पुलिस कॉलोनी अमलाई में पक्की नाली और हैंडपंप तोड़े

धनपुरी। नगर पालिका क्षेत्र के पुलिस कॉलोनी अमलाई में पाइपलाइन विस्तार के नाम पर ठेकेदार की लापरवाही खुलेआम देखने को मिल रही है। जहां जगह नहीं है, वहां भी तोड़फोड़ की जा रही है। हाल ही में बनी पक्की नाली तोड़ दी गई और एक हैंडपंप भी उखाड़ दिया गया, जिससे वार्डवासी पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। तोड़फोड़ से जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जो हादसों को न्योता दे रहे हैं।स्थानीय लोग बताते हैं कि यह लापरवाही नई नहीं है। पूर्व में भी नगर पालिका क्षेत्र के कई वार्डों में पाइपलाइन विस्तार कार्य के दौरान सीसी रोड तोड़कर पाइप डाले गए थे, लेकिन तोड़ी गई सड़कों की भराई आज तक नहीं हुई। टूटे और उखड़े रोड के बीच वार्डवासी धूल, कीचड़ और असुविधा से वर्षों से परेशान हैं।नगर पालिका से पूर्व में शिकायत करने पर जवाब मिलता था कि भराई ठेकेदार करेगा, लेकिन न तो ठेकेदार जिम्मेदारी निभाता है और न ही नगर पालिका इसकी सुध लेती है। जनता का कहना है कि पक्की नाली और हैंडपंप को तोड़ने के बाद उसकी भरपाई कौन करेगा, यह स्पष्ट नहीं है।लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है और वार्डवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि क्षतिग्रस्त निर्माण की मरम्मत और पेयजल सुविधा जल्द बहाल नहीं की गई, तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

जेल में बहनों ने सजाई भाइयों की कलाई

जेल अधीक्षक की पहल से भावनाओं से सराबोर रहा माहौल

शहडोल। भाई-बहन के अटूट प्रेम का पर्व रक्षाबंधन शनिवार को जिला जेल में भी उल्लास और भावनाओं के साथ मनाया गया। जेल में बंद 206 विचाराधीन कैदी और सजा काट रहे बंदियों से लगभग 450 से अधिक मुलाकातें हुईं। इस विशेष अवसर पर बहनें अपने भाइयों के लिए मिठाई, राखी और ढेरों दुआएं लेकर जेल पहुंचीं। जेल अधीक्षक भास्कर पांडे की पहल पर इस दिन के लिए खास इंतजाम किए गए, जिससे मुलाकात का यह क्षण और भी सहज और सुरक्षित हो सके।

सुबह से ही जेल परिसर में रौनक

सुबह से ही जिला जेल परिसर में रौनक बढ़ गई थी। बहनें अपनी-अपनी थालियों में राखी, मिठाई और आरती के साथ पहुंचीं। सुरक्षा जांच के बाद उन्हें निर्धारित मुलाकात कक्ष में भेजा गया, जहां उनके भाई इंतजार कर रहे थे। जैसे ही बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी, कई बंदियों की आंखें नम हो गईं। लंबे समय बाद भाई-बहन आमने-सामने बैठकर बीते दिनों की बातें साझा करते नजर आए।

मुलाकात की प्रक्रिया में दी गई ढील

जिला जेल अधीक्षक भास्कर पांडे ने बताया कि रक्षाबंधन के दिन मुलाकात के समय और प्रक्रिया में ढील दी गई थी, ताकि अधिक से अधिक बहनें अपने भाइयों से मिल सकें। उन्होंने मुलाकात कक्षों में साफ-सफाई, बैठने की व्यवस्था और पेयजल की सुविधा सुनिश्चित करवाई। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जेल प्रहरी भी सतर्कता से तैनात रहे।

भावनात्मक संबल बना पर्व

रक्षाबंधन हिंदू संस्कृति में भाई-बहन के रिश्ते को मजबूत करने का प्रतीक है। जेल में यह परंपरा उन बंदियों के लिए भावनात्मक संबल का काम करती है, जो लंबे समय से अपने परिवार से दूर हैं। यह क्षण न केवल अपनेपन का एहसास कराता है, बल्कि जीवन में सकारात्मक बदलाव की प्रेरणा भी देता है।

बहनों और भाइयों की भावुक प्रतिक्रियाएं

कई बहनों ने बताया कि जेल में राखी बांधने का अनुभव भावुक और अनोखा रहा। भाइयों ने बहनों से वादा किया कि वे अपनी गलतियों को सुधारेंगे और समाज में सम्मानजनक जीवन जीने की कोशिश करेंगे।

राखी पर ठेका कर्मचारियों की हड़ताल, 11 महीने से एरियर्स और वेतन न मिलने पर फूटा गुस्सा

अक्का लॉजिस्टिक कर रही मजदूरों का शोषण, प्लांट प्रबंधन मौन क्यों

बिरसिंहपुर पाली। उमरिया जिले के बिरसिंहपुर पाली स्थित संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र SGTPS के ओल्ड सीएचपी में कार्यरत करीब 700 ठेका कर्मचारी राखी के दिन हड़ताल पर उतर आए। कर्मचारियों का आरोप है कि पिछले 11 महीनों से एरियर्स और बोनस का भुगतान नहीं हुआ, साथ ही वेतन भी समय पर नहीं मिलता। कर्मचारियों का कहना है कि बार-बार मांग के बावजूद प्रबंधन केवल यह कहकर टाल देता है कि वेतन कल आएगा, लेकिन महीनों से खाते में पैसा नहीं पहुंचा। एक श्रमिक ने कहा, आज राखी है, बहनें इस दिन का इंतजार करती हैं, लेकिन हमारे पास देने के लिए कुछ नहीं। खाली जेब होना सबसे बड़ी बेइज्जती है।

शोषण के आरोप

मजदूरों ने आका लॉजिस्टिक कंपनी और प्लांट प्रबंधन पर आर्थिक, मानसिक और शारीरिक शोषण का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आवाज उठाने पर नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है, जबकि वे रोजाना मेहनत से प्लांट का संचालन करते हैं।

मुख्य अभियंता और कंपनी मैनेजर पर सवाल

कर्मचारियों ने मुख्य अभियंता एच. के. त्रिपाठी पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि ठेका कंपनी की मनमानी पर वे न तो कोई कदम उठा रहे हैं, न ही बात करने को तैयार हैं। फोन पर संपर्क करने की कोशिश के बावजूद उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। आका लॉजिस्टिक कंपनी के मैनेजर किशानू चटर्जी से भी बात करने की कोशिश हुई, लेकिन उन्होंने भी फोन नहीं उठाया। मजदूरों का कहना है कि वेतन और बोनस की मांग पर कंपनी के जिम्मेदार हमेशा टालमटोल करते हैं।

त्योहार पर मायूसी और मांग

राखी के दिन मजदूरों के घरों में खुशी की जगह निराशा छाई रही। कई कर्मचारियों ने बताया कि वे बच्चों और बहनों के लिए कपड़े और उपहार लाने वाले थे, लेकिन वेतन न मिलने से सब अधूरा रह गया। मजदूरों ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि जब तक वेतन और बकाया नहीं मिलता और लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं होती, विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

ऐप अपडेट के नाम पर साइबर ठगी का नया तरीका, पुलिस अधीक्षक ने दिए सुझाव

फर्जी लिंक से मोबाइल पर कब्जा कर रहे ठग

शहडोल। पुलिस अधीक्षक राम जी श्रीवास्तव ने जिले के नागरिकों को सतर्क करते हुए कहा है कि साइबर अपराधियों ने ठगी का नया तरीका अपनाया है, जिसके तहत वे फर्जी SBI Yono एप्लिकेशन अपडेट के नाम पर लोगों को जाल में फंसा रहे हैं। उन्होंने बताया कि ठग इन दिनों व्हाट्सएप, टेलीग्राम, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से एक फेक SBI Yono एप्लीकेशन APK लिंक भेज रहे हैं। जैसे ही कोई व्यक्ति इस लिंक से फाइल डाउनलोड करता है, उसका मोबाइल तत्काल रिमोट मोड पर चला जाता है और ठग डिवाइस का पूरा नियंत्रण हासिल कर लेते हैं। यह स्थिति अत्यंत खतरनाक है, क्योंकि अपराधी इसके बाद आपकी सिम को क्लोन कर लेते हैं और आपके बैंक खाते से पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं।

छोटी सी लापरवाही से हो सकता है बड़ा नुकसान

राम जी श्रीवास्तव ने कहा कि साइबर अपराधी लगातार अपने तरीकों में बदलाव करते हैं, इसलिए जनता को भी हर समय सतर्क रहना आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी अनजान स्रोत से आई हुई .apk फाइल को डाउनलोड न करें, चाहे वह कितनी भी जरूरी या आकर्षक क्यों न लगे। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि व्हाट्सएप और टेलीग्राम में ऑटो मीडिया डाउनलोड ऑप्शन को तुरंत बंद कर दें, क्योंकि इसी सुविधा का दुरुपयोग कर ठग आपके फोन में खतरनाक फाइलें भेज सकते हैं। उन्होंने कहा कि "छोटी सी लापरवाही आपकी जीवनभर की कमाई पर भारी पड़ सकती है, इसलिए साइबर सुरक्षा को हल्के में न लें।"

साइबर ठगी का शिकार होने पर तुरंत करें शिकायत

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार हो जाता है, तो तुरंत cybercrime.gov.in (NCRP Portal) या टोलफ्री नंबर 1930 पर संपर्क कर घटना की सूचना दें। जितनी जल्दी सूचना दी जाएगी, उतनी ही संभावना बढ़ेगी कि आपके पैसे वापस मिल सकें और अपराधियों तक पहुंचा जा सके। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की ठगी से बचने के लिए मोबाइल और एप्लिकेशन को हमेशा आधिकारिक गूगल प्ले स्टोर या एप्पल स्टोर से ही अपडेट करें, किसी लिंक या संदेश पर बिना जांचे-परखे क्लिक न करें।

पुलिस ने दोहराया कि साइबर अपराध रोकथाम में जनता की जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है। यदि हर व्यक्ति सावधानी बरते और संदिग्ध संदेशों को अनदेखा करे, तो अपराधियों के मंसूबे कभी पूरे नहीं हो सकेंगे। शहडोल पुलिस लगातार एडवाइजरी, संदेश, बैनर और सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को जागरूक कर रही है और आगे भी ऐसे प्रयास जारी रहेंगे।

पुलिस की त्वरित कार्यवाही, 4 दिन में लापता नाबालिक बालिका सुरक्षित बरामद

शहडोल। जिले के थाना अमलाई क्षेत्र में 4 अगस्त को फरियादी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि उसकी 15 वर्षीय नाबालिक बेटी को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी अमलाई ने तुरंत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की और बालिका की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की।लगातार चार दिनों तक सघन खोजबीन और साइबर तकनीक की मदद से पुलिस को सफलता मिली। 8 अगस्त 2025 को टीम ने लापता बालिका को ग्राम अकोली, थाना बेरला, जिला बेमेतरा (छत्तीसगढ़) से सुरक्षित बरामद कर लिया। पुलिस ने आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं के बाद बालिका को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। इस सफल कार्यवाही में थाना प्रभारी अमलाई के नेतृत्व में सजनि एस.एन. प्रजापति, महिला आरक्षक अमीना मरकाम एवं साइबर टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने इस उपलब्धि को टीम वर्क और त्वरित कार्रवाई का परिणाम बताया। अधिकारियों ने कहा कि नाबालिकों से जुड़े मामलों में हर संभव तत्परता के साथ कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि पीड़ित परिवारों को शीघ्र न्याय मिल सके और ऐसे अपराधों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

खबर संक्षेप

भालूमाड़ा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ गांजा बिक्री करने वाले के विरुद्ध की कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक मोती-उर-रहमान के निर्देशन मे, अति. पुलिस अधीक्षक इसरार मन्सूरी तथा अनु.अधि. कोतमा (पुलिस) श्रीमती आरती शाक्य के मार्ग दर्शन में थाना भालूमाड़ा की पुलिस टीम द्वारा पुलिस अधीक्षक द्वारा चलाये जा रहे अवैध मादक पदार्थ गांजा तस्करो एवं बिक्रेताओं के विरूद्ध छापामार कार्यवाही के दौरान आज 08 अगस्त को भालूमाडा क्षेत्र में जो लम्बे समय से चोरी छिपे अवैध मादक पदार्थ गांजा तस्करी कर बिक्री कर रहे आरोपी को थाना प्रभारी भालूमाडा के नेतृत्व में भालूमाडा पुलिस टीम के द्वारा वार्ड क्रमांक 09 पीली दफाई भालूमाडा में आरोपी दिनेश मिश्रा पिता रामनारायण मिश्रा उम्र 52 साल निवासी पीली दफाई वार्ड न 09 भालूमाडा थाना भालूमाडा के कब्जे से 0.838 कि.ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कुल कीमती जप्ती माल 8000/- रुपये को जप्त कर अपराध क्रमांक 349/2025 धारा 8/20बी एनडीपीएस एक्ट कायम किया गया है। इस पूरी कार्यवाही में थाना प्रभारी भालूमाडा निरी संजय खलको, उप निरी. डी.एस. बागरी, उप निरी. जे.पी. लकडा, स.उ.नि. मणिराज सिंह, स.उ.नि. रविशंकर गुप्ता, स.उ.नि. किरण मिश्रा, प्र.आर. 26 धीरेन्द्र कोल, प्र.आर. 57 कृपाल सिंह आर. 217 प्रवीण भगत, आर. 294 देवेन्द्र तिवारी, म.आर. 379 ज्योति मालवीय की अहम भूमिका रही।

आर्थिक तंगी के कारण मेढाखार ग्राम की बालिका पर्वतारोहण करने में थी असमर्थ

पर्वतारोही बसंती देवी के सपनों को मिलेगी उड़ान, रक्षाबंधन में मिला अनोखा उपहार

शासन-प्रशासन से नहीं मिली मदद, समाजसेवी अनिल सिंह मदद के लिए आये सामने

मेढ़ाखार की बसंती देवी के पर्वतारोही ट्रेनर बनने में बस एक कदम बाकी

हरिभूमि न्यूज अनुपपुर/राजेन्द्रग्राम। आदिवासी अंचल के ग्राम मेढ़ाखार में की होनहार आदिवासी बालिका बसंती देवी पर्वतारोही की प्रशिक्षण दे चुकी है, कई स्थानों से उत्तीर्ण रही बसंती को एमओआई प्रशिक्षण के लिए आर्थिक परेशानियो से गुजरना पड रहा है, शासन प्रशासन द्वारा मदद न मिलने के कारण प्रतिभा दबी जा रही थी। जैतहरी के समाजसेवी अनिल सिंह को इसकी जानकारी लगी तो उन्होंने रक्षाबंधन के दिन बसंती को सौगात देते हुए कहा कि बसंती के पर्वत चढने व उसकी प्रशिक्षण की समस्त आर्थिक व्यय स्वयं उठायेंगे, जिसके बाद बंसती के प्रतिभा को समझने व मदद के लिए जिले में सराहना की जा रही है। जिले के पुष्पराजगढ़ जनपद अंतर्गत आने वाले ग्राम मेढ़ाखार में किसान श्रमिक दंपत्तियों के घर में पली बढ़ी बसंती देवी अपने मैट्रिक की पढ़ाई के दौरान सरकारी व्यय पर पर्वतारोही की ट्रेनिंग लेने लगी बालिका को दक्षता को देखते हुये उसे मनाली ट्रेनिंग कैम्प भेजा गया जिसे बीएमसी कहा जाता है वहां सफलता पूर्वक अपनी दक्षता दिखा उसने

प्रथम स्थान वर्ष 2023 में अर्जित किया उसके बाद वर्ष 2024 में एएमसी की ट्रेनिंग में भी अव्वल रही वहीं वर्ष 2025 में होने वाली एमओआई ट्रेनिंग के लिये आर्थिक कमी बाधा बनी हुई है बसंती के पिता शहडोल लोकसभा की सांसद हिमाद्री सिंह व पुष्पराजगढ़ विधायक फुन्देलाल सिंह से आर्थिक सहायता की गुहार लगा चुके हैं किन्तु अभी तक कुछ न हो पाने से व्यथित दिखाई पड़ रहे हैं ऐसे में जिला प्रशासन एक उम्मीद के तौर पर नजर आता है।

बसंती देवी का सफर

सुदूर क्षेत्र में पडने वाली ग्राम पंचायत मेढ़ाखार की रहने वाली बसंती देवी शुरू से ही प्रतिभावान रही है प्राथमिक शिक्षा अपने गांव में लेने के बाद राजेन्द्रग्राम छात्रावास से आगे की पढ़ाई जारी रखी वहीं माध्यमिक शिक्षा पश्चात शहडोल के एकलव्य आवासी विद्यालय में इसका चयन हो गया जहां बसंती ने आगे की पढ़ाई के दौरान पर्वतारोही की ट्रेनिंग शासकीय व्यय पर की है जहां इसने अपनी प्रतिभा का लोहा सभी को मनवाया है चूंकि बसंती देवी 12वीं उत्तीर्ण कर कॉलेज में पहुंच गई है ऐसे में स्कूल प्रबंधन आर्थिक मदद नही दे पा रहा है वहीं कॉलेज प्रशासन इस प्रतिभा से अंजान बना हुआ है आगामी 16 अगस्त को एमओआई ट्रेनिंग जिसे अंतिम ट्रेनिंग भी कहते हैं का आवेदन किया जाना है किन्तु आर्थिक आभाव बसंती के राह का रोड़ा बना दिखाई पड़ रहा है।

माता-पिता की स्थिति

पुष्पराजगढ़ अंचल के रहने वाले किसानों की हालत किसी से छिपी नही है बेहद सीमित आय में ये अपना जीवन निर्वहन करते हैं ऐसे में बसंती देवी के माता पिता किसान श्रमिक हैं जिससे उनकी आर्थिक आय का सहज ही आंकलन लगाया जा सकता है कच्चे घर में रहने वाले इन दंपत्तियों की 3 संताने हैं जो बालिकायें हैं ये तीनों बच्चियां प्रतिभा की धनी हैं बड़ी बेटी बसंती के बाद की दोनों बेटियां नवोदय विद्यालय एवं एकलव्य विद्यालयों में चयनित होकर अध्ययनरत हैं माता पिता बच्चों को आभाव ग्रस्त जीवन के बाद पढ़ाई के प्रति समर्पण की भावना सिखायें हैं जिसका नतीजा बसंती देवी के पर्वतारोही बनने जैसा सफर में दिखाई देता है।

अभाव ग्रस्त जीवन व सफलता

बसंती देवी मरावी जिस घर में जन्मी वह कच्चा मकान होने के साथ-साथ टूटा-फूटा भी है आने जाने का रास्ता पथरीला एवं कीचड़ से भरा हुआ है पीने के पानी की भी उचित व्यवस्था नही है बिजली के तार तो लगे हुये हैं किन्तु प्रकाश कभी कभी ही होता है इन सब आभावों के साथ अपने घर के पीछे खड़े पहाड़ पर चढना उतरना उसकी दिनचर्या और मजबूरी रही यही कार्य उसकी सफलता की पहली सीढ़ी भी बना बसंती देवी 16 हजार 500 फीट के पहाड़ को चढने वाले दल में पहला स्थान बना चुकी है अब इससे ज्यादा की चढ़ाई सफलता पूर्वक कर वह नया आयाम लिख सकती है किन्तु आर्थिक आभाव वर्तमान में बाधा डाल रहा है।

मदद के बिना सपना अधूरा

बसंती देवी मरावी और उसके परिजनों की आर्थिक हालत सही नही है ऐसे में बिना मदद बसंती का पर्वतारोही बनने का सपना अधूरा व टूट सकता है यही वजह रही कि इनके पिता गलीराम सिंह सांसद हिमाद्री सिंह एवं विधायक फुन्देलाल सिंह से मदद की गुहार लगा चुके हैं जहां इन्हे निराशा हाथ लगी है जिला प्रशासन से भी मदद मांगने बसंती का परिवार गया था किन्तु अपनी बात सही जगह न रख पाने से आभाव अब भी बना हुआ है, देखना होगा आगामी समय पर शासन प्रशासन या आमजन सहयोग को आगे आते हैं अथवा बसंती का सफलता वाला यह सफर विराम लेता है।

मुडधोबा में चबूतरा घोटाला, सरपंच और सचिव ने विकास को डकारा

इंजीनियर बने भ्रष्टाचार के सहायक

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। ग्राम पंचायत मुडधोबा में पांचवें राज्य वित्त आयोग की राशि गांव के विकास के लिए आई थी, लेकिन यहां यह रकम ईंट-गारे में नहीं, बल्कि लालच की भट्टी में जलकर राख हो गई सरकारी योजनाओं की रकम गांव की गलियों में घूमने के बजाय सीधे भ्रष्टाचारियों की जेब में उतर गई। देवी मढ़िया के पास 1,08,000 रूपए की लागत से चबूतरा बनना था, लेकिन 90,800 रूपए ऐसे ही हजम कर लिए गए। बिना एक ईंट रखे, बिना एक गड्ढा खोदे। भवन सिंह के घर के पास 99,000 रूपए का चबूतरा बनना था, वहां भी 74,900 रूपए ऐसे उड़ा दिए गए जैसे यह किसी की पुश्तैनी जायदाद हो। दोनों जगह आज भी खाली जमीन और जंगली झाड़ियां हैं, जो इस लूट की मूक गवाह बन चुकी हैं।

भ्रष्टाचार का संगठित गिरोह

इस घोटाले का पूरा प्लान सरपंच और सचिव की मेज पर बना। जनता के पैसों को अपनी तिजोरियों में ठूंसने के इस खेल में इंजीनियरों ने भी खुली छूट दे दी। नियम कहता है कि भुगतान तभी होगा जब इंजीनियर काम की जांच और मूल्यांकन करे, लेकिन यहां इंजीनियरों ने आंखों पर भ्रष्टाचार की पट्टी बांध ली। सचिव का रवैया तो और भी घिनौना है। गांव का हिसाब-किताब रखने वाला यह व्यक्ति, जो जनता के धन का प्रहरी होना चाहिए था, खुद लुटेरा बन गया। सरपंच के साथ मिलकर इन्होंने विकास के नाम पर गांव की जेब काट ली। दोनों ने रकम ऐसे चट कर ली जैसे भूखे भेड़िए शिकार फाड़ते हैं।

जनपद की सुस्ती और इंजीनियरों की मिलीभगत

सीईओ और उसके अधीन सब इंजीनियर अगर अपने पद की जिम्मेदारी निभाते तो यह घोटाला जन्म ही नहीं लेता। लेकिन यहां तो सबने मौन साध लिया। सब इंजीनियर मौके पर पहुंचे, चाय-नाश्ता किया, और रिपोर्ट में लिख दिया काम पूरा। मानो विकास का मतलब सिर्फ फाइल पर दस्तख़त करना हो।

गांव में आक्रोश की ज्वाला

ग्रामीण कहते हैं ये लोग सिर्फ पैसा नहीं खा रहे, ये हमारे गांव का भविष्य चबा रहे हैं। सरपंच और सचिव ने मुडधोबा के विकास का गला घोंट दिया है। इंजीनियर भी इनके साथ मिल गए, जो जनता के पैसों पर ऐश कर रहे हैं और हमें धूल में छोड़ गए हैं।

कार्रवाई नहीं हुई तो सड़कें जलेंगी

ग्रामीण अब इस घोटाले की उच्च स्तरीय जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उनका अल्टीमेटम साफ है अगर एक भी आरोपी बचा तो जनपद और जिला मुख्यालय पर तालाबंदी करेंगे, और सड़क पर उतरकर ऐसा आंदोलन करेंगे कि ऊपर तक की कुर्सियां हिल जाएं। यह घोटाला सिर्फ दो चबूतरों की रकम का नहीं है, बल्कि यह इस सड़ी-गली व्यवस्था का आईना है, जिसमें सरपंच और सचिव अपनी कुर्सी को धन कमाने की मशीन बना लेते हैं, इंजीनियर भ्रष्टाचार के तेल से उस मशीन को चलाते हैं, और जनता के हिस्से में आता है सिर्फ धोखा, धूल और अपमान।

तेज रफ्तार बाइक को बचाने में हुआ हादसा

यात्रियों से भरी बस पलटी, 8 से ज्यादा गंभीर घायल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जब यात्रियों से भरी बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में 30 से अधिक लोग घायल हुए, जिनमें से 8 की हालत गंभीर बताई जा रही है। बस चालक ने यह कदम सड़क पर तेज रफ्तार मोटरसाइकिल को बचाने के लिए उठाया।

जिले के चचाई थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत चिल्हारी में शनिवार सुबह करीब 11 बजे एक भीषण सड़क हादसा हुआ। जानकारी के मुताबिक, यात्रियों से भरी बस नंबर सीजी 15 ए बी 0499 जो शहडोल जिले के बुढार से अनूपपुर की ओर जा रही थी, चिल्हारी गांव के पंचायत भवन के पास पलट गई। हादसे के समय बस में लगभग 30 से ज्यादा यात्री सवार थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस चालक चकेठी, चिल्हारी और मेड़ियारास होकर अनूपपुर पहुंचने के लिए गांव के अंदरूनी रास्ते से बस ले जा रहा था। इस दौरान अचानक सामने से एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल आई। टक्कर से बचने के लिए चालक ने बस को अचानक मोड़ा, जिससे बस का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे पलट गई। बस पलटते ही घटनास्थल पर अफरातफरी मच गई। कई यात्री बस के अंदर फंसे रह गए। हादसा गांव के अंदर होने के कारण स्थानीय ग्रामीण तुरंत

मौके पर पहुंचे और घायलों को बस से बाहर निकालने में मदद की। ग्रामीणों ने इस दौरान फंसे हुए यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला और घायल यात्रियों को प्राथमिक उपचार देने की कोशिश की। हादसे में 8 से अधिक लोगों को गंभीर चोटें आई हैं, जिनमें बुजुर्ग और महिलाएं भी शामिल हैं। बाकी यात्रियों को भी मामूली चोटें आई हैं। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और 108 एंबुलेंस सेवा मौके पर पहुंची और घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। चचाई थाना पुलिस ने बस चालक और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सड़क संकरी और मोड़दार थी, जिस वजह से तेज रफ्तार बाइक से बचने के दौरान बस का संतुलन बिगड़ गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि गांव के अंदर भारी वाहनों का प्रवेश काफी जोखिम भरा है, क्योंकि यहां सड़कें संकरी हैं और पैदल चलने वालों तथा छोटे वाहनों की आवाजाही लगातार बनी रहती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि बड़े वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग तय किया जाए, ताकि ऐसे हादसे दोबारा न हों।

जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया त्योहार

बाजार सहित ट्रेन व बस में उमड़ी बहनों की भीड़

आज मनाया जाएगा कजलियां

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर सहित जिले भर में बहन और भाई के अटूट प्यार के प्रतीक का पर्व रक्षाबंधन शनिवार को परंपरागत तरीके से धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने शुभ मुहूर्त में भाई की कलाई पर राखी बांधी, तो भाइयों ने भी अपनी बहन को कई उपहार दिए एवं उनकी रक्षा करने का वचन दिया। इससे पूर्व मिठाई की दुकानों पर लोगों की भीड़ रही। साथ ही गिफ्ट की दुकान पर भी खासी भीड़ रही वहीं बसों में भी लोगों की भीड़ नजर आई। कोतमा नगर सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों मे रक्षाबंधन का पर्व शनिवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांध कर तिलक लगाकर उनकी लम्बी उम्र की कामना की। वहीं भाइयों ने भी अपने बहनों को दुःख सुख में जीवन भर साथ निभाने का वचन दिया।

दिनभर बाजार मे चहल-पहल

रक्षाबंधन पर्व को लेकर कोतमा सहित जिले भर में शनिवार को बाजार में दिनभर चहल-पहल रही। खासकर राखियों की दुकानों और मिठाई की दुकानों पर लोगों की भीड़ लगी रही। इसके अलावा कपड़ों और गिफ्ट आइटम की दुकानों पर भी लोगों ने खरीदारी की। राखियों की दुकानों पर बहनों ने भाइयों के लिए राखियां खरीदी, तो भाइयों ने गिफ्ट आइटम की दुकान से बहनों के लिए उनकी पसंद का गिफ्ट खरीदा।

बसों एवं ट्रेनों में रही महिलाओं की भीड़

रक्षाबंधन पर महिलाओं की भीड़ बसों एवं ट्रेनो में जमकर रही। अपने भाई को राखी बांधने के लिए बहने सुबह से ही बस स्टैंड एवं रेलवे स्टेशन पर पहुंची। वहीं बसें भी महिलाओं से खचाखच भरी रही। बसों एवं ट्रेनो में बैठने के लिए जगह ही नही थी खड़े खड़े ही सफर करना पड़ा।

बहनो को जो भी साधन दिखा उसी में बैठ गई यहां तक कि तीन पहिया आटो मे क्षमता से अधिक सवारियां को बैठाया गया था पीछे में लटककर सफर करते नजर आये।

मनाया जायेगा कजलियां

रविवार को कोतमा नगर सहित जिले भर में कजलियां का त्यौहार धूमधाम से मनाया जायेगा। नगर सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में दोपहर बाद महिलाएं सिर पर कजलियां रखकर नदी एवं जलाशयों में विसर्जन करने जाएंगे उसके उपरांत एक दूसरे से गले मिलते हुए शुभकामनाएं देगी। यह सिलसिला देर रात तक निरंतर चलता है। नगर के पंचायती मंदिर, पुरानी बस्ती, दफाई टोला, तेलियान टोला, गोविंदा गांव से भजन कीर्तन करते हुए कजलियां निकाला जाएगा और नगर के शिवसागर धाम केरहा नाला बस स्टैंड के पास तालाब में एवं गोविंदा गांव के तालाब में विसर्जन किया जाएगा।

चाक चौबंद सुरक्षा

रक्षाबंधन के त्यौहार को शांतिपूर्ण संपन्न कराए जाने को लेकर थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल के द्वारा चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम किए गए थे। नगर के मुख्य रास्तों पर बैरीकेडिंग की गई थी साथ ही मुख्य जगहों पर पुलिस कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई थी थाना प्रभारी स्वयं नगर में घूम कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे।

युवक की उपचार दौरान मौत, ट्रेन से जा रहा था गांव

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। इंदौर में मजदूरी करने गए युवक को मकान में गिरने से सिर में चोट लगने पर उपचार बाद ट्रेन से अनूपपुर आकर घर जा रहे जाते समय ट्रेन में अचानक ज्यादा तबीयत खराब होने पर जिला अस्पताल अनूपपुर मे उपचार दौरान मौत हो गई घटना की सूचना पर जिला अस्पताल पुलिस द्वारा परिजनों की उपस्थिति में मृतक के शव का पंचनामा कर पी,एम, कराने बाद शव परिजनों को सौपा। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार अनूपपुर जिले के जैतहरी थाना अंतर्गत खूंटाटोला निवासी 21 वर्ष युवक घनश्याम सिंह पिता वेदभुवन सिंह मजदूरी का काम करने इंदौर गया हुआ था जहां तीन दिन पूर्व कमरे में गिर जाने से सिर में चोट आने पर भाई एवं अन्य साथियों के द्वारा ठेकेदार के माध्यम से अस्पताल में उपचार कराते हुए शुक्रवार को इंदौर बिलासपुर ट्रेन से छोटा भाई शिवराज सिंह एवं एक अन्य साथी रेवा सिंह के साथ आ रहा था तभी अनूपपुर के पहले ट्रेन में अचानक सीने में दर्द की शिकायत पर घनश्याम को अनूपपुर रेल्वे स्टेशन में उतार कर जिला चिकित्सालय अनूपपुर में भर्ती करा कर उपचार कराया जा रहा था उपचार दौरान ही घनश्याम सिंह की मौत हो गई घटना की सूचना ड्यूटी डॉक्टर द्वारा जिला अस्पताल पुलिस चौकी अनूपपुर को दिए जाने पर मृतक के परिजनो के समक्ष पुलिस ने पंचनामा की कार्यवाही कर ड्यूटी डॉक्टर से पी,एम, कराने बाद शव के अंतिम संस्कार हेतु परिजनों को सौप कर जांच की जा रही है, मृतक घनश्याम अपने गांव एवं आसपास के कई ग्रामीणों के साथ इंदौर में स्थित विभिन्न तरह के कार्यों में मजदूरी का काम कर रहा था जिसकी कुछ दिनों से तबीयत खराब रहा करती थी तभी अचानक इंदौर स्थित अपने कमरे में गिर जाने से सिर में चोट आने की बात छोटा भाई शिवराज सिंह एवं रेवा सिंह ने बताया।